आध्यात्मिक ज्ञान का गुह्य रहस्य

ये विश्व का नाटक बहुत ही वंडरफुल बना हुआ है। हम इस पर चर्चा कर आये हैं। ये पाँच हज़ार साल के फेर में है। देखो कितनी बड़ी और इसमें कितने करोड़ों, अरबों एक्टर्स एक्ट कर रहे हैं। इस ड्रामा का सिक्रेट, इसकी ब्यूटी ये है कि एक एक्टर का पार्ट दूसरे से नहीं मिलेगा। एक मिनट का पार्ट दूसरे से नहीं मिलेगा। कितना वंडरफुल खेल है! आप देख रहे हैं कि इसमें सबके जो फेस हैं, फीचर्स हैं सबके अलग-अलग, कोटि-कोटि मनुष्यों के फीचर्स अलग-अलग, है ना वंडरफुल खेल! ये बना बनाया खेल है और हूबहू रिपीट होता है। इसमें जो भी पार्ट हमें मिला हुआ है हमें उसको एन्जॉय करना है। ये बहुत कला है। ये बहुत बड़ा सिक्रेट है इस ईश्वरीय ज्ञान का।

मनुष्य कई बातों को सोच सकता है, वो दूसरों को देखता है उसका पार्ट बहुत सुन्दर। भगवान ने मुझे ऐसा पार्ट क्यों दिया? ये प्रश्न नहीं है। पार्ट मिला है, वो मेरी योग्यताओं के अनुसार, मेरी शक्तियों के अनुसार परफेक्ट है। देखो आप एक चीज़ जानते होंगे, जब फिल्म में डायरेक्टर को एक्टर्स लेने होते हैं तो एक पार्ट के लिए कई एक्टर्स आयेंगे, इंटरव्यू होगा जो योग्य होगा उसको सिलेक्ट कर लिया जाएगा। मान लो दस आये और दस में से एक या दो को चुनना है, उस दस में से जो दो योग्य होंगे उसको चुन लिया जाएगा। यदि आप कहो कि भगवान ने भी ये खेल रचा है तो उसने हरेक को पार्ट दिया है उनकी क्षमताओं के अनुसार और उनकी योग्यताओं के अनुसार। फिर पार्ट हमने प्ले किया, उसने हमें एक बार पार्ट दिया, हमें भेज दिया फिर जैसे कर्म वैसा फल हमें उसका प्राप्त हुआ। वो हमारे हाथ में था, वो कोई भगवान के हाथ में नहीं। कर्म करने में मनुष्य आत्मा स्वतंत्र है। उसके अनुसार उसको फल मिलता है। उसको हम पार्ट कहते हैं, भाग्य कह देते हैं।

कई सोचते हैं कि मेरा पार्ट तो अच्छा नहीं है, मेरे साथ ये अच्छे नहीं, मेरा जीवनसाथी अच्छा नहीं। मेरे बच्चे अच्छे नहीं, मैं पढ़ाई-लिखाई में अच्छा या अच्छी नहीं, सोचते है ना! परंतु ज़रा आप करके देखो कि वो पार्ट मुझे मिला है वो बहुत सुन्दर है, मुझे उसको एन्जॉय करना है। जैसा आप जानते हैं फिल्म में, जैसे किसी को छोटा। पार्ट मिला है उसने वो बहुत है।

वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

एफीशिएंटली(कुशलता) से प्ले किया हो, सबका मन मोह लिया हो तो उसको अगला अच्छा पार्ट दिया जाएगा। हम भी इस ड्रामा में एक्टर हैं अपने पार्ट को एन्जॉय करें। हमारा पार्ट श्रेष्ठ होता जाएगा, हमें कोई देगा नहीं। हमारा अपना ही पार्ट सुन्दर होता जाएगा। क्योंकि इससे मन के अनेक संकल्प शांत हो जाएंगे। अगर उधेड़-बुन में ऐसे लग जाएं कैसा मेरा पार्ट है, भगवान ने क्या मेरे साथ पक्षपात किया, गलत किया, कितने विचार चलेंगे! उसका इफेक्ट ब्रेन पर आयेगा, उसका इफेक्ट बुद्धि की शक्ति पर आयेगा। खेल बिगड़ेगा, वो व्यक्ति हमेशा निगेटिव रहेगा, निराश रहेगा, इसलिए आप जहाँ हैं, जो कर रहे हैं, जो आपका परिवार है, जितने आपके पास धन-संपदा है एन्जॉय करो, सब बढ़ेगी। ये ड्रामा में फिक्स है, बना बनाया है।

इसमें कोई ये नहीं कह सकता, बहुत लोग कहते हैं और कभी-कभी शिव बाबा के बच्चे भी कह देते हैं कि ये न होता तो ये हो जाता। ये न होता तो कितना अच्छा होता। अगर मैं ये कर लिया होता तो ये खेल न बिगड़ता, सब सोचते हैं। कहीं जा रहे थे, एक्सीडेंट हो गया, चोट बहुत लग गई। बुलाने वाले फोर्स कर रहे थे कि आ जाओ, हमने मना भी किया लेकिन चले गये, अब सोचते हैं कि न जाते तो कितना अच्छा होता! इस एक्सीडेंट से बच जाते। लेकिन बचना था ही नहीं। घर में भी कुछ हो सकता था, इसलिए जो कुछ हो रहा है उसे एक्सेप्ट करते चलेंगे। बहुत ध्यान देना है इस बात पर। और बहुत अच्छी तरह से ध्यान देंगे क्योंकि हमें पास्ट को भूलना है, फ्यूचर को एन्जॉय करना है। दोनों ही चिन्ताओं से हमें मुक्त होना है। गहराई से एक चीज़ पर विचार करें कि जो सीन एक बार घटित हो गया अब जो पाँच हज़ार साल में दुबारा नहीं होगा। अगले कल्प में ही होगा। ये भी ड्रामा की ब्यूटी है। एक सीन जो बीत गया वो फिर दुबारा नहीं आयेगा। फिल्मों में भी तो यही ध्यान रखा जाता है, भाषण करने वाला भी अगर एक ही बात को बार-बार बोलता रहे तो उसके भाषण की सुन्दरता चली जाती है ना! तो ये ड्रामा भी ऐसा ही गहन बना हुआ है। मान लो आपके जीवन में कोई बुरी घटना हो गई है आप उससे परेशान हैं अब ये सोच के अपने चित्त को शांत कर दो कि उसको दुबारा होने में तो पाँच हज़ार साल लगेंगे, अगले कल्प में होगा। अब ये इस कल्प में दुबारा कभी घटित नहीं होगा। तो चित्त शांत हो जाएगा। बहुत सुन्दर रहस्य है ये। इस विश्व के ड्रामा के और ये विश्व का ड्रामा, इसका ज्ञान हमें निश्चिंत करता है। हमें सहज जीना सिखाता है, हमारी चिंताओं को हर लेता है। मैं पहले भी कह आया हूँ याद रखेंगे कि ये ड्रामा इतना सुन्दर है और उसमें मेरा रोल भी बहुत सुन्दर है, इस आध्यात्मिक गुह्य रहस्य को समझकर, निश्चिंत रहकर जीवन को एन्जॉय करना है।

रीवा-म.प्र.। द्वादश ज्योतिर्लिंगम स्वरूप महाकाल रथ यात्रा का हरी झण्डी दिखाकर स्वागत करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव सहित सम्पूर्ण परिवार बड़े भाई रामानंद यादव, छोटे भाई सदानंद यादव एवं परमानंद यादव, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लता बहन तथा अन्य।

मुंबई-गामदेवी(महा.)। सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता व प्रेरक वक्ता जया किशोरी से स्नेहभरी मुलाकात के पश्चात् चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आशा, ऑस्किन एंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक तथा कोपरान लिमिटेड, बिगफ्लेक्स लाइफसाइंस प्राइवेट लिमिटेड, यूनाइटेड शिपर्स लिमिटेड व वित्त, स्वास्थ्य, विपणन और विनिर्माण क्षेत्रों में कई अन्य प्रमुख संगठनों के निदेशक तथा पुश इंडिया पुश के संस्थापक आदर्श राजेंद्र सोमानी, ब्र.कु. दीपक हरके तथा ब्र.कु. नीलम।

अहिल्यानगर-महा.। वृंदावन के प्रसिद्ध युवा कथावाचक और भागवत वक्ता इंद्रेश उपाध्याय को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र सहसंचालिका ब्र.कु. सुप्रभा व डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके।

कोरबा-छ.ग.। ग्राम डप डप में हनुमान कथा के दौरान धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज से मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन।

छतरपुर-चंदला(म.प्र.)। श्री राम नवमी के शुभ अवसर पर ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित मां दुर्गा की भव्य झांकी के दौरान ब्र.कु. भारती, वन एवं पर्यटन मंत्री दिलीप अहिरवार, विधायक राजेश प्रजापति, नगर पालिका अध्यक्ष शोभा खटीक, उपाध्यक्ष अंशु हर्षित शुक्ला, श्री राम सेवा समिति के सभी बंधुजन की उपस्थिति रही।

भोपाल-गुलमोहर कॉलोनी(म.प्र.)। विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ ब्लेसिंग हाउस सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए संजय मेहता,अभिनेता, लेखक और फिल्म प्रोडक्शन,फेस्टिवल ग्रांट कमेटी सदस्य,संस्कृति विभाग,भारत सरकार, निदेशिका,रविंद्र भवन भोपाल,मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग में पदस्थ सुश्री मधु चौधरी, वरिष्ठ थिएटर आर्टिस्ट श्रीमती शोभा चटर्जी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. डॉ. रीना तथा अन्य।

रीवा-म.प्र.। विश्व कविता दिवस पर कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा आयोजित काव्य संगोष्ठी के दौरान वरिष्ठ कवि, पत्रकार एवं हिंदू धर्म परिषद के संस्थापक अध्यक्ष नारायण डिगवानी, डॉ. रामस्वरूप द्विवेदी 'शान्ति दूत', डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ. प्रतिभा द्विवेदी, मनीष कुमार चांदवानी, शिवम चतुर्वेदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लता दीदी तथा अन्य गणमान्य कवियों की उपस्थिति रही।

कालीकट-केरल। सिटी हाउस सभागार में 'अपनी नियति को डिज़ाइन करें' विषय पर कालीकट डिज़ाइन और नवाचार शिखर सम्मेलन में उपस्थित एनआईटी कालीकट के डिज़ाइन प्रोफेसर डॉ. काशरूबा एके, स्पेसियो डिज़ाइन्स निदेशक नौशाद, डिज़ाइन एवं नवाचार शाखा उपाध्यक्षा ब्र.कु. सविता,माउंट आबू, पैनल चर्चा के संचालक,डिज़ाइन एवं नवाचार विंग मुख्यालय समन्वयक ब्र.कु. श्याम, सहायक केंद्र समन्वयक ब्र.कु. शीबा, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. जलजा, ब्र.कु. गिरीश तथा अन्य।

मंडी बामोरा-म.प्र.। राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी के प्रथम पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज युवा प्रभाग की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में उपस्थित रहे भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वैभव दुबे, सरपंच दामोदर राय, जनपद सदस्य पूरन सिंह रघुवंशी, सिविल हॉस्पिटल प्रभारी डॉ. राजेश परसोर, स्थानीय सिविल हॉस्पिटल की टीम व मंडी बामोरा सिविल हॉस्पिटल की टीम, शिक्षक राजमणि दुबे, समाजसेवी श्रीकांत गुप्ता, बीना बीएमओ डॉ. संजीव अग्रवाल, ब्र.कु. पुष्पेंद्र,माउंट आबू, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. जानकी, ब्र.कु. मधु, ब्र.कु. रिया, ब्र.कु. निधि, ब्र.कु. गुलाब तथा अन्य।